



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 53]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 11, 2010/माघ 22, 1931

No. 53]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 11, 2010/MAGHA 22, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2010

अंतिम जांच परिणाम

विषय : मलेशिया के मूल के या वहां से निर्यातित नाइलोन के आयातों के बारे में पाटनरोधी (मध्यावधि समीक्षा) जांच।

सं. 15/07/2008-डीजीएडी.—यतः वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी 4 जुलाई, 2005 की अधिसूचना सं. 14/5/2005-डीजीएडी के तहत मूल जांच शुरू की थी। प्राधिकारी ने 3 जुलाई, 2006 की अधिसूचना सं. 14/5/2005-डीजीएडी के तहत मलेशिया (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित नाइलोन फिलामेंट यार्न (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हुए अपने परिणाम अधिसूचित किए और ऐसा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क भारत सरकार द्वारा दिनांक 29-8-2006 की सी.शु. अधिसूचना सं. 85/2006 के तहत लगाया गया था।

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी को उक्त अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार घरेलू उद्योग अर्थात् मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स कं. लि., मै. सैंचुरी एंका लि. तथा जे. सी. टी. लि. से एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें मलेशिया की संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसकी राशि बढ़ाने का अनुरोध किया था क्योंकि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश द्वारा पाटन के कारण क्षति जारी थी।

3. मूल जांच में चीन जन.गण., चीनी ताईपेई, इंडोनेशिया, थाईलैंड तथा कोरिया गण. भी संबद्ध देश थे। तथापि, याचिकाकर्ताओं ने केवल मलेशिया के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने का अनुरोध किया। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि परिस्थितियों में भारी परिवर्तन हो गया है जिनमें मलेशिया के खिलाफ लागू पाटनरोधी उपायों की समीक्षा करना अपेक्षित है। समीक्षा की जरूरत की पुष्टि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी पाटन मार्जिन में हुई अत्यधिक वृद्धि के आधार पर की गई है। मै. हुआलोन कार्पोरेशन (एम) एस डी एन.बी. एच डी, मलेशिया (ऐसा निर्यातक जिस पर अलग-अलग पाटन मार्जिन और पाटनरोधी शुल्क लागू है) ने भी यह सूचना देते हुए एक आवेदन दायर किया है कि ऐसी व्यवस्था में उनके समस्त निर्यात रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन. बी एच डी के नाम से किए जाएंगे और तदनुसार मै.

हुआलोन पर लागू शुल्क को मै. रेक्रोन पर लागू किया जाए। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं के दावों की जांच करने के लिए पाटनरोधी जांच की मध्यावधि समीक्षा शुरू करते हुए 12 अगस्त, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना सं. 15/07/2008-डी जी ए डी जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

प्रक्रिया

4. इस कार्रवाई में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- i) समीक्षा की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियां भेजीं।
- ii) संगत सूचना मांगते हुए भारत में घरेलू उद्योग को भी नियमानुसार सूचनाएं भेजी गई थीं;
- iii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को इस अनुरोध के साथ जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें।
- iv) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं।
- v) घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आई बी आई एस के आंकड़ों के अलावा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए आयातों के सौदे वार आंकड़े मांगे गए थे।
- vi) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां फिक्की, सी आई आई तथा एसोचैम के पास भी व्यापक परिचालन हेतु भेजी गई थी।
- vii) संबद्ध देश के निम्नलिखित निर्यातक ने निर्धारित प्रश्नावली के उत्तर के साथ निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर दिया है:

रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन. बी एच डी

- viii) किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दायर नहीं किया।
- ix) प्राधिकारी ने सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर संगत समझी गई सूचना तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया ताकि भारत में संबद्ध वस्तु इष्टतम उत्पादन लागत, उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

- x) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए दिनांक 30.11. 2009 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है ;
- xi) प्राधिकारी द्वारा निर्यातक अर्थात् रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन . बी एच डी के परिसरों में निर्यातक के आंकड़ों और लागत एवं बिक्री (घरेलू और निर्यात दोनों) के बारे में सूचना का सत्यापन करवाया गया था । उक्त सत्यापन की रिपोर्ट उक्त निर्यातक के पास भेजी गई थी ।
- xii) प्राधिकारी ने नियम 16 के अंतर्गत आवश्यक तथ्यों और याचिकाकर्ताओं तथा निर्यातक अर्थात् रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन . बी एच डी से प्राप्त उत्तर का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष किया ।
- xiii) इस जांच की जांच अवधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 (12 माह) की है । तथापि, क्षति विश्लेषण में वर्ष 2004-05, 2005-2006, 2006-2007 तथा जांच अवधि शामिल होंगे ।
- xiv) भारती रूपए में आर एम की परिवर्तन दर जांच अवधि के लिए 1 आर एम= 12.00 रूपए ली गई है ।

विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

5. वर्तमान जांच में शामिल उत्पाद नाइलोन का सिंथेटिक फिलामेंट यार्न था जिसे पालियामाइड यार्न के नाम से भी जाना जाता है (जिसका उल्लेख नाइलोन फिलामेंट यार्न के रूप में भी किया जाता है और जिसे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) । नाइलोन फिलामेंट यार्न आर्गेनिक मोनोमरों के पोलिमराइजेशन द्वारा उत्पादित एक सिंथेटिक फिलामेंट यार्न है । नाइलोन फिलामेंट यार्न का व्यापक अनुप्रयोग वस्त्रों में किया जाता है, जिनमें साड़ी, दुपट्टा, महिलाओं की ड्रेस सामग्री/फैशन वस्त्र, फैंसी आकस्मिक निटवियर, स्टॉकिंग एवं स्टॉक, इंटीमेट वस्त्र तथा फाउंडेशन वियर, वर्दी तथा रात्रि वस्त्र, ब्रीफ, पेंटी, स्लिप, शिशु वस्त्र, खेल वस्त्र तथा एक्टिव वियर, स्वयं वियर तथा बीच वियर, बाह्य वस्त्र, वात वस्त्र, फैशन सहायक सामग्री, इलास्टिक के फीते, शो/फुटवियर लाइनिंग, लेस/फैंसी टेप, टाई/स्कार्फ, फीदर यार्न, रिबन/सेटिन रिबन आदि शामिल हैं ।

6. विचाराधीन उत्पाद में सिलाई के धागे से इतर नाइलोन या पोलियामाइड्स के सभी प्रकार के सिंथेटिक फिलामेंट यार्न शामिल हैं, यथा - फ्लैट यार्न - टिवस्टेड और/अन टिवस्टेड, फुली ड्रॉन यार्न (एफ डी वाई), स्पिन ड्रॉन यार्न (एस डी वाई), फुली आरीऐटेड यार्न (एफ ओ वाई), हाई ओरिएंटेड यार्न (एच ओ वाई), पार्सली ओरिएंटेड यार्न (पी ओ वाई), टैक्सचर्ड यार्न - टिवस्टेड और/अथवा अनटिवस्टेड अथवा रंजित यार्न, सिंगल, डबल, मल्टीपल, फोल्डेड या कैप्ड, जो सीमाशुल्क अध्याय-54 के उपशीर्ष सं. 5402 के भीतर वर्गीकृत हैं परंतु इनमें नाइलोन या अन्य पोलियामाइड्स के हाई टेनेसिटी यार्न शामिल नहीं हैं । उत्पाद में नाइलोन फिलामेंट यार्न या पोलियामाइड यार्न के सभी परिवर्तक शामिल हैं, यथा - फ्लैट/टैक्सचर्ड/टिवस्टेड/अनटिवस्टेड, चमकीला/अर्द्ध धुंधला/पूर्ण धुंधला (या उसके परिवर्तक), ग्रे/रंगीन/रंजित (या उसके परिवर्तक), सिंगल/डबल/मल्टीपल/फोल्डेड/केबल्ड (या उसके परिवर्तक), भले ही इन्हें आकार दिया गया हो या न हो या न ही, परंतु इनमें सीमाशुल्क उपशीर्ष 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत नाइलोन

का हाई टेनेसिटी यार्न तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत फिश नेट यार्न शामिल नहीं है । तदनुसार सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 5402.10 के अंतर्गत वर्गीकृत सभी प्रकार का हाई टेनेसिटी नाइलोन फिलामेंट यार्न वर्तमान जांच के दायरे में शामिल नहीं है । तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई तर्क नहीं दिया है । अतः घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और मलेशिया से आयातित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमानुसार समान वस्तुएं माना जा रहा है ।

घरेलू उद्योग का आधार एवं क्षेत्र विस्तार

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. मूल जांच में आवेदन मै. मोदीपॉन लि., मोदीनगर, जे सी टी लि., होशियार पुर, श्री सिंथेटिक्स लि., उज्जैन तथा गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स कंपनी लि., बड़ोदरा द्वारा संयुक्त रूप से दायर किया गया था । इन आवेदक कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता था । इसके अलावा, मै. सेंचुरी एंका ने मूल आवेदन का समर्थन किया था । प्राधिकारी ने निर्धारित किया था कि (क) चारों याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है; (ख) आवेदन का स्पष्ट तौर पर समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50% से अधिक बनता है; और (घ) आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा और उसकी ओर से दायर किया गया है । वर्तमान समीक्षा जांच में समीक्षा आवेदन मलेशिया के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए मै. गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर्स कं. लि., मै. सेंचुरी एंका लि. एवं मै. जे सी टी लि. ने दायर किया है । मै. मोदी पोन लि. तथा मै. श्री सिंथेटिक्स लि. अब संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं कर रहे हैं । जांच में ऐसे किसी प्रतिकूल तथ्य का पता नहीं चला है जिसका दावा याचिकाकर्ता ने किया है और जिसकी पुष्टि भी की है । नियमों तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ताओं के पास नियम 5(2) के अनुसार आधार है और वे नियम 2(ख) के अनुसार वर्तमान समीक्षा जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग हैं ।

पाटन मार्जिन की गणना हेतु कार्य प्रणाली

पाटन मा निर्धारण: सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

क. सामान्य मूल्य

9. मै. रिक्रोन मलेशिया (निर्यातक) ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है और निर्धारित प्रपत्र में तथा ढंग से सूचना प्रस्तुत की है । कंपनी ने यह बताया है कि समीक्षा मामले में जांच अवधि 1 अप्रैल, 07 से 31

मार्च, 08 तक की है। चूंकि पूर्ववर्ती कंपनी मै. हुआलोन, मलेशिया के लिए रिसीवर नियुक्त किए गए थे, जिसके बाद कंपनी को मै. रेक्रोन मलेशिया ने अपने स्वामित्व में ले लिया था, इसलिए लेखा सूचना 1 दिसंबर, 2007 से 31 मार्च, 08 तक के लिए ही उपलब्ध है, जिसके आधार पर निर्यातकों ने उत्तर तैयार कर प्रस्तुत किए हैं। निर्यातक ने उत्तर के सत्यापन का अनुरोध किया और यह सत्यापन मलेशिया में निर्यातक के परिसरों में प्राधिकारी द्वारा 29 तथा 30 जनवरी, 2010 को कराया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में कंपनी द्वारा बेचा गया उत्पाद का प्रकार एन डी टी वाई (टैक्सराइज्ड यार्न) तथा एन एफ डी वाई है जबकि जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित उत्पाद एन एफ डी वाई तथा एन पी ओ वाई है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि उचित तीसरे देशों को किए गए निर्यात एन एफ डी वाई, एन पी ओ वाई तथा एन डी टी वाई के हैं। यह भी नोट किया जाता है कि एन एफ डी वाई, एन पी ओ वाई तथा एन डी टी वाई की लागत तथा कीमत संरचना में काफी अंतर है। जहां एन पी ओ वाई तथा एन एफ बी वाई को कैप्रोलैक्टम से बनाया जाता है वहीं एन डी टी वाई का उत्पादन एन पी ओ वाई से होता है। टैक्सराइजिंग की अतिरिक्त प्रक्रिया से एन डी टी वाई की लागत और कीमत में अत्यधिक अंतर आ जाता है। अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव उचित तुलना के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भारत को निर्यातित एन पी ओ वाई एवं एन एफ डी वाई की लागत और कीमत पर विचार करने का है।

10. निर्यातक की सूचना के सत्यापन से यह पता चलता है कि एन एफ डी वाई की भारत औसत घरेलू बिक्री कीमत और उचित तीसरे देशों को निर्यात की कीमत नियमों में यथानिर्धारित ओ सी टी (व्यापार की सामान्य प्रक्रिया) जांच पर खरी नहीं उतरती है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान निर्यातक ने एन पी ओ वाई की घरेलू बाजार में बिक्री नहीं की है तथा एन एफ डी वाई की घरेलू बिक्री की मात्रा बेची गई मात्रा के 20% से कम है जिसकी वजह से एन एफ डी वाई की घरेलू बाजार बिक्री नियमों में निर्धारित पर्याप्तता जांच पर खरी नहीं उतरती है। अतः प्राधिकारी इन बिक्रियों की अनदेखी करते हैं और उनका प्रस्ताव निर्यातक द्वारा प्रस्तुत तथा प्राधिकारी द्वारा सत्यापित उत्पादन लागत के आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने का है जिसमें 5% का उचित लाभ मार्जिन जोड़ा गया है। भारत को निर्यातित ग्रेडों के लिए निकाला गया सामान्य मूल्य निम्नानुसार है:-

ग्रेड	सामान्य मूल्य (आरएम/किग्रा)
एनएफडीवाई 170डी24एफ एस डी	***
एनएफडीवाई 280डी14 एफ एस डी	***
एनएफडीवाई30डी10 एफ एफ डी	***
एनएफडीवाई30डी24 एफ एफ डी	***
एनएफडीवाई30डी36 एफ एफ डी	***
एनएफडीवाई 40डी10 एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई (सीओएल) 39डी13 एफ बी के	***
एन पी ओ वाई (सीओएल) 55डी13 एफ बी के	***

SS2 GI/10-2

एन पी ओ वाई (सीओएल) 90डी24एफ बी के	***
एन पी ओ वाई 120डी24एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई 39डी13 एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई 55डी13 एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई 85डी24एफ एस डी	***
भारित औसत	***

ख. निर्यात कीमत

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच अवधि में भारत को *** मी.ट. उत्पाद का निर्यात किया है जिसमें से *** मी.ट. एन एफ डी वाई, *** मी.ट. एन पी ओ वाई तथा *** मी.ट. एन पी ओ वाई (सी ओ एल) से संबंधित है । कमीशन, समुद्री भाड़े तथा अंतरदेशीय भाड़े, टी एच सी, बीमा आदि जैसे अन्य व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया गया है जिनका प्राधिकारी ने सत्यापन दौरे के दौरान विधिवत सत्यापन किया था और उनकी अनुमति दी थी । तदनुसार कारखाना स्तर पर प्रति इकाई भारित औसत निर्यात कीमत की गणना ग्रेड-वार निम्नानुसार की गई है :-

ग्रेड	निर्यात कीमत आर एम/ किग्रा. (कारखाना स्तर पर)
एनएफडीवाई 170डी24एफ एस डी	***
एनएफडीवाई 280डी14 एफ एस डी	***
एनएफडीवाई30डी10 एफ एफ डी	***
एनएफडीवाई30डी24 एफ एफ डी	***
एनएफडीवाई30डी36 एफ एफ डी	***
एनएफडीवाई 40डी10 एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई (सीओएल) 39डी13 एफ बी के	***
एन पी ओ वाई (सीओएल) 55डी13 एफ बी के	***

एन पी ओ वाई (सीओएल) 90डी24एफ बी के	***
एन पी ओ वाई 120डी24एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई 39डी13 एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई 55डी13 एफ एस डी	***
एन पी ओ वाई 85डी24एफ एस डी	***
भारित औसत	***

अवशिष्ट श्रेणी के संदर्भ में निवल निर्यात कीमत उत्पाद की प्रतिनिधिक न्यूनतम सी आई एफ कीमत पर आधारित है ।

ग. पाटन मार्जिन

12. ऊपर किए गए प्रस्ताव के अनुसार सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना के आधार पर प्राधिकारी का प्रस्ताव रेक्रोज, मलेशिया (उत्पादन एवं निर्यातक दोनों) के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार करने का है:

ग्रेड	पा. मा.(आरएम/किग्रा.)	पा. मा. (%)
एन एफ डी वाई 170 डी24 एफएसडी	***	10.96
एन एफ डी वाई 280D14एफएसडी	***	-1.56
एन एफ डी वाई 30डी10 एफ एफ डी	***	8.41
एन एफ डी वाई 30डी24 एफ एफ डी	***	11.69
एनएफडीवाई 30डी36 एफ एफ डी	***	10.41
एन एफ डी वाई 40डी10 एफ एस डी	***	4.39
एन पी ओ वाई (सीओएल)39डी13 एफबीके	***	22.64
एन पी ओ वाई (सीओएल)55डी डी13 एफबीके	***	11.01

एन पी ओ वाई (सीओएल)90डी 24 एफबीके	***	16.54
एन पी ओ वाई 120डी24 एफएसडी	***	13.82
एन पी ओ वाई 39डी13एफ एस डी	***	6.31
एन पी ओ वाई 55डी13एफएसडी	***	9.65
एन पी ओ वाई 85डी24एफएसडी	***	12.78
भारित औसत	***	11.60

क्षति निर्धारण

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मध्यावधिक समीक्षा के लिए संगत उपबंध सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (क) (5) तथा नियम 23 हैं, जिनमें निम्नानुसार उपबंध है -

"इस धारा के अंतर्गत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क जब तक उसे समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा :

परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को समय-समय पर आगे और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी ।"

नियम 23. समीक्षा. - (1) निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लगाए जाने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करेंगे और उसे प्राप्त इस आशय की सूचना के आधार पर संतुष्ट होने के उपरांत ऐसे शुल्क को समाप्त किए जाने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश करेंगे कि इसे सतत रूप से लगाए जाने का कोई औचित्य नहीं है ।

(2) उप-नियम (1) के अंतर्गत शुरू की गई कोई समीक्षा ऐसी समीक्षा की शुरुआत की तारीख से 12 माह से अनधिक अवधि के भीतर संपन्न की जाएगी ।

(3) नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19, तथा 20 के उपबंध समीक्षा के मामले में आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे ।

14. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में अंतर्गत समीक्षा करने की प्रक्रिया का उपबंध है । समीक्षा करने के लिए नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 तथा 20 के उपबंध लागू किए गए हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के अनुसार क्षति की वर्तमान स्थिति और तत्पश्चात उसकी संभावना का निर्धारण ऐसी समीक्षाओं में करना होता है ।

15. इस संबंध में नियमों में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का उपबंध है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अत्यधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

16. क्षति की वर्तमान स्थिति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव तथा कीमतों एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन तथा, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी की जांच की जा सके।

(क) मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

17. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:

आयात की मात्रा और संबद्ध देश का बाजार हिस्सा:

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
आयातों में बाजार हिस्सा					
मलेशिया	मी. ट.	29	31	155	1120
अन्य देश	मी. ट.	2985	2424	1288	3633
अन्य आयातक	मी. ट.	3015	2455	1443	4752
आयातों में बाजार हिस्सा					
मलेशिया	%	0.98	1.26	10.74	23.56
अन्य देश	%	99.02	98.74	89.26	76.44

18. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

19. प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देश तथा अन्य देशों के संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा की जांच की है।

20. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि पाटनरोधी शुल्क समायोजित करने के कारण क्षति अवधि के कारण संबद्ध वस्तु और खासकर संबद्ध देश से हुए इसके कुल आयातों में भारी वृद्धि हुई है। जिस कीमत पर मलेशिया से भारत में सामग्री का आयात किया गया है, वह घरेलू उद्योग की कीमत से

SS2 GI/10-3

काफी कम है । संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा आधार वर्ष में 0.98% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान कुल आयातों का लगभग 23.56% हो गया है ।

मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
मांग	मी. ट.	33,949	35,819	32,266	32,639
घरेलू उद्योग	मी. ट.	23669	29062	25780	26340
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	7266	4302	5043	1546
आयातक-संबद्ध देश	मी. ट.	29	31	155	1,120
आयातक - अन्य देश	मी. ट.	2,985	2,424	1,288	3,633
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	69.72	81.14	79.90	80.70
अन्य भारतीय उत्पादक	%	21.40	12.01	15.63	4.74
भारतीय उद्योग	%	91.12%	93.15%	95.53%	85.44%
आयातक-संबद्ध देश	%	0.09%	0.09%	0.48%	3.43%
आयातक - अन्य देश	%	8.79%	6.77%	3.99%	11.13%

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध वस्तु की मांग में मामूली गिरावट आई है । तथापि, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद आधार वर्ष में 0.09% से बढ़कर जांच अवधि में 3.43% हो गया ।

घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
क्षमता	मी.ट.	26,697	35,099	33,753	31,436
उत्पादन	मी.ट.	24,761	30,490	27,818	27,067
क्षमता उपयोग	%	93	87	82	86

22. घरेलू उद्योग के उत्पादन में समग्र रूप में वृद्धि हुई है । उत्पादन में वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।

घरेलू उद्योग की बिक्री

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घरेलू बिक्री	मी.ट.	23,669	29,062	25,780	26,340

23. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि, अपनी बिक्री और बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए घरेलू उद्योग को अपनी विधि सम्मत कीमत वृद्धि सीमित करनी पड़ी। संबद्ध देश से हुए कम कीमत पर आयातों के कारण घरेलू उद्योग को अपनी वस्तुओं की बिक्री कम कीमत पर करनी पड़ी।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

24. संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से आयात के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

25. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए तुलना पाटित आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के बीच की गई थी। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में करों, रिबेट, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत छूट और कमीशन को समायोजित किया गया है।

26. कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है; इस प्रकार प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत की गणना की और उसकी तुलना पहुंच मूल्य के साथ की ताकि कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकाली जा सके। घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर उचित विचार करने के बाद किया गया है।

27. यह पाया गया है कि (क) आयात की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है, इस प्रकार कीमत कटौती हुई है; (ख) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है जिससे कम कीमत पर बिक्री हुई है; (ग) यद्यपि, क्षति अवधि में उत्पादन लागत में वृद्धि हुई, तथापि, बिक्री कीमत में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई। अतः आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत का ह्रास हो रहा था।

ग. क्षति के अन्य मापदंडों की जांच

28. पूर्ववर्ती खंड में घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग एवं बिक्री तथा विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्से के साथ मांग की पद्धति जैसे क्षति के प्रमुख संकेतकों की जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी का पता चल सके :

लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
लाभप्रदत्ता					
उत्पादन की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	114	116

बिक्री कीमत	रू./कि.ग्रा	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	108	112
लाभ/हानि	रू./कि.ग्रा	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(1200)	(1100)	(900)
लाभ/हानि (पी बी आई टी)	लाख रुपए	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(876)	719	(445)
नकद लाभ	लाख रुपए	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(1470)	(1172)	(1062)

29 घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का विश्लेषण घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए रिकॉर्डों के अनुसार किया गया है। आंकड़ों से पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता प्रतिकूल बन गई है। वस्तुतः घरेलू उद्योग को आधार वर्ष को छोड़कर समूची क्षति अवधि के दौरान वित्तीय घाटा हुआ है और ऐसा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद हुआ है।

रोजगार एवं मजदूरी

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	97	93
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	116	121

30. आधार वर्ष की तुलना में कर्मचारियों की संख्या *** से घटकर वास्तवि में *** रह गई। तथापि, क्षति अवधि में कर्मचारियों की संख्या में यह गिरावट अधिक प्रतीत नहीं होती है।

उत्पादकता

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	120	120

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में परिकलित उत्पादकता में 20% का सुधार हुआ है।

माल सूची

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
औसत मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	171	185

32. मालसूची से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में औसत मालसूची में भारी वृद्धि हुई है।

निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(821)	(604)	(324)

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय नकारात्मक हो गई है।

कीमत कटौती

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
आयात मात्रा	मी.ट.	***	***	***	***
आयात मूल्य	लाख रु.	***	***	***	***
सी आई एफ निर्यात कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***

552 GI/10-4

आयातों की पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	108	112
कीमत कटौती	रू./किग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
रेंज	%	30-40	10-20	10-20	20-30

34. क्षति अवधि के दौरान कीमतों में भारी कटौती हुई है जैसा कि उपर्युक्त तालिका में दर्शाया गया है।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

35. संबद्ध देश से निर्यात कीमत के मूल्यांकन से यह पता चलता है कि कीमतों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक बढ़ा है परंतु 2005-06 तथा 2006-07 की तुलना में गिरावट आई है।

वृद्धि

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिक्री मात्रा और उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि हुई है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद लाभ में वृद्धि/हानि, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह प्रतिकूल बना रहा।

अन्य ज्ञात कारक

37. कीमत कटौती, कीमत ह्रास एवं कीमत न्यूनकारी प्रभावों के संबंध में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव तथा क्षति की मौजूदगी की जांच करने के बाद भारतीय नियमावली एवं पाटनरोधी करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है ताकि यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर ऐसा कोई अन्य कारक है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तदनुसार निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:

अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

38. यह देखा जाता है कि अन्य देशों से हुए आयात न्यूनतम हैं और अन्य देशों से आयात की कीमत संबद्ध देश से आयात की कीमत से अधिक है। अतः अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

39. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में मामूली गिरावट आई है। तथापि, पाटित आयातों के कारण संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। अतः मांग में कमी क्षति का कारक नहीं है।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रभाव और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

40. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार विद्यमान नहीं है। घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला यह कारक नहीं हो सकता।

प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन

41. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने संबद्ध देश में उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी की तुलना में घरेलू उद्योग के उत्पाद के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकी का उल्लेख घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाले कारक के रूप में नहीं किया है।

42. घरेलू उद्योग के कुछ निर्यात कार्यकलाप हैं। तथापि, क्षति निर्धारण हेतु केवल घरेलू बिक्री पर ही विचार किया गया है। अतः निर्यात निष्पादन को घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाले कारक के रूप में नहीं माना जाता है।

क्षति की मात्रा - क्षति मार्जिन का निर्धारण

43. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

उत्पादक तथा निर्यातक	क्षति मार्जिन
रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन . बी एच डी (उत्पादक तथा निर्यातक दोनों)	***

भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

44. अधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

45. प्रकटन विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि यद्यपि ग्रेड-वार पाटन मार्जिन किया गया है तथापि, घरेलू उत्पादक निर्धारित औसत पाटन मार्जिन को समझने में असमर्थ हैं। उन्होंने आगे यह बताया है कि इस मामले में क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण आवश्यक है क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका मलेशिया के संबंध में पाटन मार्जिन के निर्धारण तक सीमित थी। निर्यातक ने यह कहते हुए प्रकटन विवरण का उत्तर दिया है कि जांच के दौरान उनके द्वारा उठाए गए बिन्दुओं पर विचार किया जाए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत औसत मार्जिन का उल्लेख पैरा-12 में किया गया है जिसमें कई अलग-अलग ग्रेड शामिल हैं। इसके अलावा, चूंकि प्राधिकारी को कमतर शुल्क नियम के आधार पर शुल्क की सिफारिश करनी होती है, इसलिए क्षति मार्जिन का निर्धारण तथा अन्य विश्लेषण किए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के दौरान निर्यातकों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है।

निष्कर्ष

46. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि:

- क. भारत को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

सिफारिशें

47. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नानुसार प्रपत्र में और ढंग से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

48. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देश के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क इस अधिसूचना की तारीख से लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ शीर्ष	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि (रु./किग्रा)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	54	*नाइलोन फिलामेंट यार्न	सिंथेटिक फिलामेंट यार्न जिसमें नाइलोन या अन्य पोलियामाइड्स के 67 डेसीटैक्स से अनधिक सिंथेटिक मोनोफिलामेंट शामिल हैं, परंतु नाइलोन के फिश नेट यार्न सहित नाइलोन का समस्त हाई टेनेसिटी यार्न शामिल नहीं है।	मलेशिया	मलेशिया	रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन. बी एच डी	रेक्रोन (मलेशिया) एस डी एन. बी एच डी	13.80

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2	54	*नाइलोन फिलामेंट यार्न	सिथेटिक फिलामेंट यार्न जिसमें नाइलोन या अन्य पोलियामाइड्स के 67 डेसीटेक्स से अधिक सिथेटिक मोनोफिलामेंट शामिल हैं, परंतु नाइलोन के फिश नेट यार्न सहित नाइलोन का समस्त हाई टेनेसिटी यार्न शामिल नहीं है।	मलेशिया	मलेशिया	उत्पादक तथा निर्यातक से इतर अन्य कोई संयोजन		24.24
3	54	*नाइलोन फिलामेंट यार्न	सिथेटिक फिलामेंट यार्न जिसमें नाइलोन या अन्य पोलियामाइड्स के 67 डेसीटेक्स से अधिक सिथेटिक मोनोफिलामेंट शामिल हैं, परंतु नाइलोन के फिश नेट यार्न सहित नाइलोन का समस्त हाई टेनेसिटी यार्न शामिल नहीं है।	मलेशिया	चीनी ताईपेई, इंडोनेशिया, थाईलैंड तथा कोरिया गण. से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	24.24
4	54	*नाइलोन फिलामेंट यार्न	सिथेटिक फिलामेंट यार्न जिसमें नाइलोन या अन्य पोलियामाइड्स के 67 डेसीटेक्स से अधिक सिथेटिक मोनोफिलामेंट शामिल हैं, परंतु नाइलोन के फिश नेट यार्न सहित नाइलोन का समस्त हाई टेनेसिटी यार्न शामिल नहीं है।	चीनी ताईपेई, इंडोनेशिया, थाईलैंड तथा कोरिया गण. से इतर अन्य कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	24.24

* परंतु उस स्थिति में कोई पाटनरोधी शुल्क संदेय नहीं होगा यदि हुक तथा लूप टेप फॉस्नरों में प्रयुक्त नाइलोन फ्लेम रिटार डेंट यार्न, नाइलोन एअर टैक्सराइज्ड यार्न, नाइलोन 66 तथा नाइलोन 11 यार्न, नाइलोन 174/24 तथा 280/14 डेनियर के यार्न, नाइलोन 6 मोनोफिलामेंट तथा यू वी ट्रिट्रेड यार्न का पहुंच मूल्य 204.57 रूपए प्रति किग्रा. से अधिक है।

49. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3, 8, 9 और 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त सीमा शुल्क शामिल होंगे।

50. केन्द्र सरकार द्वारा इन जांच परिणामों को स्वीकार करने के बाद इनके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

552 GE/10-5

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th February, 2010

Final Findings

Sub : Anti-Dumping (Mid-Term Review) investigation concerning imports of Nylon Filament Yarn originating in or exported from Malaysia.

No. 15/07/2008-DGAD.—Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, initiated the original investigation vide Notification No. 14/5/2005-DGAD dated 4th, July, 2005. The Authority issued its Final findings recommending imposition of definitive Anti Dumping Duty on imports of Nylon Filament Yarn (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Malaysia (hereinafter referred as subject country), vide Notification No. 14/5/2005 – DGAD dated 3rd July, 2006 and such definitive duty was imposed by the Government of India vide Customs Notification No. 85/2006 dated 29.08.2006.

2. The Designated Authority, in terms of section 9A (5) of said Act received an application from the domestic industry namely M/s Gujarat Sate Fertilizers Company Limited, M/s Century Enka Limited and M/s. JCT Ltd., requesting for review and enhancement of the anti-dumping duties levied on the subject goods from Malaysia as the domestic industry continued to suffer injury on account of dumping by the subject country.

3. China PR, Chinese Taipei, Indonesia, Thailand and Korea RP were also subject countries in the original investigation. The petitioners, however, requested for review of anti dumping against Malaysia only. The petitioners have claimed that the circumstances have changed substantially requiring a review of anti dumping measures in force against Malaysia. The need for review has been established on the basis of significant increase in dumping margin even after the imposition of anti dumping duties. M/s Hualon Corporation (M) SDN.BHD. Malaysia (the exporter attracting individual dumping margin and anti dumping duty) has also filed an application intimating that in view of an arrangement, all their exports will be in the name of Recron (Malaysia) Sdn. Bhd. and accordingly the duties applicable to M/s Hualon may be made applicable to M/s Recron. The Designated Authority issued a Public Notice No. 15/07/2008-DGAD dated 12th August, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating a Midterm Review of the anti-dumping investigations to examine the claims of the petitioners.

PROCEDURE

4. In these proceedings the procedure described below has been followed:

- i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to the known exporters/producers in the subject country in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information.
- ii) Notices were also sent to the domestic industry in India seeking relevant information in accordance with the Rules;
- iii) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation, in accordance with the Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iv) Questionnaires were sent to the known exporters and importers of the subject goods in India calling for the necessary information in accordance with the Rule 6(4),
- v) Transaction-wise data of imports for the period of investigation and preceding three years were called from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) in addition to the data of IBIS provided by the domestic industry.
- vi) Copies of the initiation notification were also sent to FICCI, CII and ASSOCHAM for wider circulation.
- vii) The following exporter from the subject country has responded to the Designated Authority with prescribed questionnaire response:

Recron (Malaysia) Sdn. Bhd.

- viii) No other interested parties filed their response to the initiation notification.
- ix) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent considered relevant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) The Authority held a public hearing on 30.11.2009 to hear the interested parties orally which was attended by representatives of interested parties. The written submissions received from interested parties have been considered in this findings;
- xi) A verification of exporter's data and information regarding cost and sales (both domestic as well as exports) was got carried out by the Authority in the premises of exporter, namely, Recron (Malaysia) Sdn. Bhd. A report of the said verification was forwarded to the said exporter.

- xii) The Authority issued a disclosure of essential facts under rule 16 to the known interested parties and the response was received from the petitioners and from the exporter, i.e. Recron (Malaysia) Sdn. Bhd.
- xiii) Investigations were carried out for the period of investigation (POI), which is 1st April 2007 to 31st March 2008 (12 months). However, injury analysis shall cover the years 2004-05, 2005-2006, 2006-2007 and POI.
- xiv) The conversion rate of RM to Indian Rs. has been adopted as 1 RM=Rs.12.00 for the POI.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product involved in the present investigation was Synthetic Filament Yarn of Nylon also known as Polyamide Yarns (also described as Nylon Filament Yarn and also referred to as subject goods). Nylon Filament Yarn is a synthetic filament yarn produced by polymerisation of organic monomers. Nylon filament yarn has vast applications in textiles applications, which includes saree, dupatta, women's dress material / fashion wear, fancy causal knit wear, stockings and socks, intimate wear and foundation wear, lingerie and night wear, briefs, panties, slips, kids wear, sports wear and active wear, swim wear and beach wear, outer wear, wind wear, fashion accessories, elastic tapes, show/footwear linings, laces/fancy tapes, tie/scarves, feather yarn, ribbons/satin ribbons, etc.
6. The product under consideration includes all kinds of synthetic filament yarns of Nylon or Polyamides, other than sewing thread, such as flat yarn - twisted and/or untwisted, fully drawn yarn (FDY), spin drawn yarn (SDY), fully oriented yarn (FOY), high oriented yarn (HOY), partially oriented yarn (POY), textured yarn – twisted and/or untwisted, and dyed yarn, single, double, multiple, folded or cabled, classifiable within Chapter 54 under customs subheading no. 5402, but excludes high tenacity yarn of nylon or other polyamides. The product includes all variants of Nylon Filament Yarn or Polyamide Yarns such as flat/textured/twisted/ untwisted, bright/semi-dull/ full-dull (or variants thereof), Grey/colored/ dyed (or variants thereof), single/ double/ multiple/ folded/ cabled (or variants thereof), whether or not sized, but excludes high tenacity yarn of nylon classifiable under customs sub-heading 5402.10 and fishnet yarn, classifiable under customs classification no. 5402.10. Accordingly, all types of high tenacity nylon filament yarn, classifiable under customs classification no. 5402.10 are beyond the scope of present investigations. The Customs classification, however, is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Examination by the Authority

7. None of the interested parties raised any argument regarding the product under consideration in the present review investigation. Therefore, Subject goods produced by the domestic industry and imported from Malaysia are being treated as like articles in accordance with the anti dumping Rules.

STANDING AND SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY

Examination by the Authority

8. In the original investigation, the application had been jointly filed by M/s. Modipon Limited, Modinagar, JCT Limited, Hoshiarpur, Shree Synthetics Limited, Ujjain and Gujarat State Fertilizers Company Limited, Vadodara. The production of these applicant companies constituted more than 50 % of total Indian production. Also, M/s Century Enka had supported the original application. The Authority had determined that (a) production of the four petitioner companies constitute a major proportion in the Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry. In the present review investigation, the review application has been filed by M/s Gujarat State Fertilizers Company Limited, M/s Century Enka Limited & M/s JCT Limited substantiating the need for mid term review of the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from Malaysia. M/s Modipon Limited and M/s Shree Synthetics Limited are now no more in production of the subject goods. The investigation has not shown any fact to the contrary to what has been claimed and established by the petitioner. Having regard to the Rules and information on record, the Authority holds that the petitioners command the standing in terms of Rule 5(3) and constitute the domestic industry for the purpose of the present review investigation in terms of the Rule 2(b).

METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN

Dumping Determination: Normal Value, Export Price and Dumping Margin

A. Normal Value

9. M/s. Recron Malaysia (exporter) has responded to the Authority and furnished information in the form and manner prescribed. It has been stated by the company that the POI in the review case is from 1st April 07 to 31st March 08. As receivers were appointed on the erstwhile company M/s Hualon Malaysia after which the company was taken over by M/s Recron Malaysia, the accounting information is available for the period from 1st December 2007 till 31st march 08 only, based on which the exporters response has been prepared and filed. The exporter requested for the verification of the exporters response which was got carried out by the authority on 29th and 30th January 2010 at the exporter's premises in Malaysia. The Authority notes that the product type sold by the company in the domestic market is NDTY (texturized yarn) and NFDY whereas the product exported to India during the POI is NFDY and NPOY. Further, it is noted that the exports to appropriate third countries are NFDY, NPOY and NDTY. It is further noted that there is significant difference in the cost and price structure of NFDY, NPOY and NDTY. While NPOY and NFDY are made from caprolactum, NDTY is produced from NPOY. The additional process of texturizing makes a substantial difference in the cost and price of NDTY. Therefore, the Authority, for the purpose of fair comparison, proposes to consider the cost and price of NPOY and NFDY exported to India for the purpose of determination of normal value.

10. The verification of exporter's information reveals that the weighted average domestic selling price of NFDY as well as the same of export to appropriate third countries do not

552 GI/10-6

pass the OCT (ordinary course of trade) test, as laid down under the rules.. Further, it is noted that NPOY has not been sold in the home market by the exporter during the POI and the volume of domestic sale of NFDY is less than 20% of volume sold, whereby home market sales of NFDY do not pass the sufficiency test, as laid down in the rules. Therefore, the Authority disregards these sales and proposes to construct the normal value on the basis of cost of production data furnished by the exporter and verified by the Authority plus a reasonable profit margin of 5%. The Normal value, worked out for grades exported to India is as under:-

Grades	Normal value(RM/kg)
NFDY170D24FSD	***
NFDY280D14FSD	***
NFDY30D10FFD	***
NFDY30D24FFD	***
NFDY30D36FFD	***
NFDY40D10 FSD	***
NPOY(COL)39D13FBK	***
NPOY(COL)55D13FBK	***
NPOY(COL)90D24FBK	***
NPOY120D24FSD	***
NPOY 39D13FSD	***
NPOY55D13FSD	***
NPOY85D24FSD	***
Weighted average	***

B. Export price

11. The Authority notes that the company has exported *** MT of product concerned to India in the investigation period out of which *** MT pertains to NFDY, ***MT pertains to NPOY and ***MT pertains to NPOY (COL). The adjustments have been claimed on account of commission, overseas freight and others such as inland freight, THC, insurance etc., are duly verified during the spot visit by the authority and are allowed. Accordingly, per unit weighted average export price at ex-factory level is worked out grade-wise as under:-

Grades	EP RM/KG(ex-factory)
NFDY170D24FSD	***
NFDY280D14FSD	***
NFDY30D10FFD	***
NFDY30D24FFD	***

NFDY30D36FFD	***
NFDY40D10 FSD	***
NPOY(COL)39D13FBK	***
NPOY(COL)55D13FBK	***
NPOY(COL)90D24FBK	***
NPOY120D24FSD	***
NPOY 39D13FSD	***
NPOY55D13FSD	***
NPOY85D24FSD	***
Weighted Average	***

The Net Export Price in respect of residual category is based on lowest representative CIF price of the product.

C. Dumping Margin

12. Based on comparison of the normal value and export price as proposed above, the Authority proposes to determine the dumping margin for M/s Recron, Malaysia (both producer and exporter) as under:

Grades	DM(RM/kg)	DM(%)
NFDY170D24FSD	***	10.96
NFDY280D14FSD	***	-1.56
NFDY30D10FFD	***	8.41
NFDY30D24FFD	***	11.69
NFDY30D36FFD	***	10.41
NFDY40D10 FSD	***	4.39
NPOY(COL)39D13FBK	***	22.64
NPOY(COL)55D13FBK	***	11.01
NPOY(COL)90D24FBK	***	16.54
NPOY120D24FSD	***	13.82
NPOY 39D13FSD	***	6.31
NPOY55D13FSD	***	9.65
NPOY85D24FSD	***	12.78
Weighted Average	***	11.60

INJURY DETERMINATION

13. The Authority notes that for mid term review, the relevant provisions are Section 9(A)(5) of the Customs Tariff Act and Rule 23, which provides as follows -

"The anti-dumping duty imposed under this section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition:

Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension."

Rule 23. Review. - (1) The designated authority shall, from time to time, review the need for the continued imposition of the anti-dumping duty and shall, if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty recommend to the Central Government for its withdrawal.

(2) Any review initiated under sub-rule (1) shall be concluded within a period not exceeding twelve months from the date of initiation of such review.

(3) The provisions of rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19, and 20 shall be *mutatis mutandis* applicable in the case of review.

14. Rule 23 of the Anti-dumping Rules provide for procedure for conducting interim reviews. For conducting the review, the provisions of Rule 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 have been made applicable. The Authority notes that as per Rules, present state of injury and thereafter likelihood is to be assessed in such reviews.

15. In this regard, the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

16. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of the dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

(A) **VOLUME EFFECT:** Volume effect of dumped imports and the impact on domestic industry:

17. The effects of volume of dumped imports from subject country have been examined as follows:

Import volumes and market share of the subject country:

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Market share in Imports					
Malaysia	MT	29	31	155	1120
Other Countries	MT	2985	2424	1288	3633
Total Imports	MT	3015	2455	1443	4752
Market share in Imports					
Malaysia	%	0.98	1.26	10.74	23.56
Other Countries	%	99.02	98.74	89.26	76.44

18. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to the production or consumption in India.

19. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries on the basis of import data as per DGCI&S.

20. The above data indicates that the total imports of the subject goods and particularly the imports from the subject country have increased substantially during the injury period due to absorption of anti-dumping duties. The price at which material is imported into India from Malaysia is significantly lower than the prices of the domestic industry. The share of imports from the subject country increased from 0.98% in the base year to about 23.56% of the total imports during the POI.

Demand, Production and Market Shares

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Demand	MT.	33,949	35,819	32,266	32,639
Domestic Industry	MT.	23669	29062	25780	26340
Sale of other Indian producers	MT.	7266	4302	5043	1546
Imports – subject country	MT.	29	31	155	1,120
Imports – other countries	MT	2,985	2,424	1,288	3,633
Market Share in demand					
Domestic Industry	%	69.72	81.14	79.90	80.70
Other Indian Producers	%	21.40	12.01	15.63	4.74
Indian Industry	%	91.12%	93.15%	95.53%	85.44%
Imports – subject country	%	0.09%	0.09%	0.48%	3.43%

552 GI/10-7

Imports – other countries	%	8.79%	6.77%	3.99%	11.13%
---------------------------	---	-------	-------	-------	--------

21. The Authority notes that the demand of the subject goods has marginally decreased in POI as compared to base year. However, it is noted that the share of imports from subject country has increased from 0.09% in base year to 3.43% in the POI in spite of imposition of anti dumping duties.

Capacity, Production and Capacity Utilization of the Domestic Industry

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Capacity	MT	26,697	35,099	33,753	31,436
Production	MT	24,761	30,490	27,818	27,067
Capacity Utilization	%	93	87	82	86

22. The production of the domestic industry has increased in the absolute terms. Capacity utilization has gone down during POI as compared to base year despite increase in production.

Sales of Domestic Industry

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Domestic sales	MT	23,669	29,062	25,780	26,340

23. The above data shows that sales volume of the domestic industry has increased in comparison to the base year. However, the domestic industry has to restrict its legitimate price increase to retain its sales and market share. Due to the low priced imports from the subject country, domestic industry has to sell its goods at low prices.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

24. The impact on the prices of the domestic industry on account of imports from the subject country have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed value of imports from the subject country.

25. A comparison for the subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, the rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted.

26. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed

value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI.

27. It is found that (a) landed price of imports are significantly below the selling price of the domestic industry, thus resulting in price undercutting; (b) the selling price of the domestic industry are substantially below the non-injurious price of the domestic industry, thus resulting in price underselling, (c) whereas cost of production increased over the injury period, the selling prices did not increase in the same proportion. The imports were therefore suppressing the prices of the domestic industry in the market.

C. Examination of other Injury Parameters

28. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

Profits and Actual and Potential Effects on Cash Flow

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Profitability					
Cost of Production	Rs./KG	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	110	114	116
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	108	112
Profit/Loss	Rs./KG	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(1200)	(1100)	(900)
Profit/Loss (PBIT)	Rs. Lacs	***	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	(876)	(719)	(445)
Cash Profit	Rs. Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(1470)	(1172)	(1062)

29 The profitability of the domestic industry has been analyzed as per records maintained by the domestic industry. The data shows that the profitability of the domestic industry became adverse during POI as compared to base year. In fact, the domestic industry suffered financial losses throughout injury period except in base year where it broke even, in spite of the existing anti dumping duties.

Employment and Wages

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	97	93
Wages	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	111	116	121

30. Number of employees actually declined to *** as compared to *** in the base year. This decline in number of employees over the injury period, however does not appear to be significant.

Productivity

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Productivity per employee	MT/No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	130	120	120

31. The Authority notes that the productivity calculated as production per employee has improved by 20% in POI as compared to base year.

Inventories

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Average Inventories	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	124	171	185

32. The data on inventory shows that average inventory has significantly increased in POI as compared to base year.

Return on Investment and Ability to Raise Capital

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Return on Capital Employed	%	***	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	100	(921)	(704)	(428)

33. The Authority notes that the return on capital employed became adverse during POI as compared to base year.

Price Undercutting

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Imports quantity	MT	***	***	***	***
Imports value	Rs Lacs	***	***	***	***
CIF Export Price	Rs./KG	***	***	***	***
Landed Price of Imports	Rs./KG	***	***	***	***
Selling Price	Rs./KG	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	108	112
Price Undercutting	Rs./KG	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Range	%	30-40	10-20	10-20	20-30

34. There is significant price undercutting during the injury period as seen from the table mentioned above.

Factors affecting prices

35. Evaluation of export prices from subject country shows that the prices in POI increased from the base year. The landed value of the subject goods increased from base year to POI but declined in comparison to 2005-06 and 2006-07.

Growth

36. The Authority notes that there is a positive growth in sales volumes and production. However, growth in profit/loss, return on investment and cash flow continued to be adverse in spite of imposition of Anti Dumping duties.

Others known factors

37. Having examined the existence of injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price suppression and price depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether there are any other factors other than the dumped imports that could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:

SS2 GI/10-8

Volume and prices of imports from other sources

38. It is seen that Imports from other countries are de-minimus and import prices from other countries are higher than the import prices from the subject country. Thus, imports from the other countries have not contributed to the injury to the domestic industry.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

39. Demand of the product under consideration has marginally decreased during POI as compared to base year. However, the dumped imports have resulted in increase in market share of the imports of the subject goods from the subject country. Therefore, contraction in demand is not a factor for injury.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

40. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. This factor could not be reason affecting the performance of the domestic industry.

Development of technology and export performance

41. No interested party has cited technology for production of the product for domestic industry vis a vis the same used by the producers in the subject country is a factor affecting the performance of the domestic industry.

42. The domestic industry has some export activities. The export sales have increased in POI as compared to base year. However, for determination of injury only domestic sales have been taken into consideration. The export performance, therefore, is not considered a factor affecting the performance of the domestic industry.

Magnitude of Injury- determination of injury margin

43. The Non-Injurious Price determined by the Authority has been compared with the landed value of imports from the subject country for determination of injury margin. The injury margin is worked out as under:-

Producer and exporter	Injury Margin
Recron (Malaysia) Sdn. Bhd. (both producer and exporter)	***

Indian Industry's Interest & Other Issues

44. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict

imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

45. In response to disclosure, domestic industry has stated that though grade wise dumping margin has been given, the domestic producers are unable to understand average dumping margin determined. Further they have stated that the determination of injury and causal link in this case is unnecessary as the petition filed by the domestic industry was restricted to determination of dumping margin in respect of Malaysia. The exporter has responded to the disclosure stating that the points raised by them during the investigation are considered. The Authority notes that the weighted average margin has been provided at para 12 which cover the range of individual grades. Further as the authority is to recommend duty based on lesser duty rule, determination of injury margin and other analysis have been carried out. The Authority notes that the points raised by exporters during the investigation have been duly considered in these findings.

Conclusions

46. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
- The domestic industry has suffered material injury;
- The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

Recommendations

47. In view of the above, the Authority considers it necessary to recommend definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

48. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the table below is recommended to be imposed from the date of this notification, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

S N	Tariff Head	Descripti on of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Produce r	Exporter	Duty Amount (Rs./kg)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	54	*Nylon Filament Yam	Synthetic filament yarn including synthetic monofilament of less than 67 decitex, of nylon or other polyamides, excluding all high tenacity yarn of nylon including fishnet yarn of nylon	Malaysia	Malaysia	Recron (Malaysi a) Sdn. Bhd.	Recron (Malaysi a) Sdn. Bhd.	13.80

2	54	*Nylon Filament Yarn	Synthetic filament yarn including synthetic monofilament of less than 67 decitex, of nylon or other polyamides, excluding all high tenacity yarn of nylon including fishnet yarn of nylon	Malaysia	Malaysia	Any combination producer exporter	other of and	24.24
3	54	*Nylon Filament Yarn	Synthetic filament yarn including synthetic monofilament of less than 67 decitex, of nylon or other polyamides, excluding all high tenacity yarn of nylon including fishnet yarn of nylon	Malaysia	Any other than China PR, Chinese Taipei, Indonesia, Thailand and Korea RP.	Any	Any	24.24
4	54	*Nylon Filament Yarn	Synthetic filament yarn including synthetic monofilament of less than 67 decitex, of nylon or other polyamides, excluding all high tenacity yarn of nylon including fishnet yarn of nylon	Any other than China PR, Chinese Taipei, Indonesia, Thailand and Korea RP.	Malaysia	Any	Any	24.24

*Provided that no anti dumping duty shall be payable if the landed value of Nylon flame retardant yarn, Nylon air texturised yarn, Nylon 66 and Nylon 11 yarn, Nylon 170/24 and 280/14 denier yarn used for hook and loop tape fasteners, nylon 6 monofilament and UV treated yarn, is higher than Rs. Rs.204.57 per kg.

49. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

50. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

P.K. CHAUDHERY, Designated Authority